राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 36 | मुंबई : बुधवार 15 जुलाई 2026 से 21 जुलाई 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

माहिम में मुंबई पब्लिक स्कूल माहिम बंद होने पर बवाल!

सोशल एक्टिविस्ट गिरीश राउत ने उठाए सवाल?

मुंबई: माहिम स्थित 'न्यू माहिम सेकेंडरी स्कूल' के अचानक बंद होने और उसे तोडे जाने की योजना के खिलाफ स्थानीय नागरिकों और पूर्व छात्रों का आंदोलन तेज हो गया है। सुप्रसिद्ध वकील और पर्यावरण प्रेमी गिरीश राउत ने इस मुद्दे को उठाते हुए बीएमसी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खडे किए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीकी ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार इमारत सुरक्षित है और इसे तोड़ने के बजाय मरम्मत करके पुनः शुरू किया जा सकता है।

सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र रहा है यह स्कूल

यह स्कूल केवल शिक्षा का केंद्र नहीं है, बल्कि दशकों से मराठी नाट्य और सांस्कृतिक गतिविधियों का एक प्रमुख स्थान रहा है। यहाँ सयाजी शिंदे, सुलभा देशपांडे और रोहिणी हट्टंगड़ी जैसे दिग्गज कलाकार अपने अभिनय का अभ्यास करते रहे हैं। करीब 2,500 छात्रों की क्षमता वाले इस स्कूल में मराठी, हिंदी, इंग्लिश, उर्दू और कन्नड़ माध्यमों में शिक्षा दी जाती थी।

ऑडिट रिपोर्ट में इमारत को बताया गया 'मजबूत'

वकील गिरीश राउत ने बीएमसी द्वारा नियुक्त फर्म 'शशांक एंड एसोसिएट्स' की सितंबर 2025 की स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि इमारत 'C1' (खतरनाक) श्रेणी में नहीं है। रिपोर्ट में इसे 'C2-A' श्रेणी में रखा गया है और केवल मामूली मरम्मत की सिफारिश की गई है।

गिरीश राउत ने प्रशासन की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा:

''अगर स्कूल वाकई इतना जर्जर था कि वह कभी भी गिर सकता था, तो मई 2026 तक इसे चालू क्यों रखा गया? बीएमसी ने न तो कोई पूर्व नोटिस दी और न ही नागरिकों को इसके बारे में सूचित किया।'' उन्होंने आगे कहा कि बच्चों को स्कूल बंद होने के कारण दूर-दराज के स्कूलों में जाने की मजबूरी झेलनी पड़ रही है, जो पूरी तरह से अनुचित है। वकील ने प्रशासन से मांग की है कि वह अपनी ऑडिट रिपोर्ट का सम्मान करे और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए स्कूल की मरम्मत करवाकर उसे जल्द से जल्द दोबारा शुरू करे।

माहिम में शर्मनाक घटना:

सड़क किनारे पेशाब करने पर व्यक्ति पर ट्यूबलाइट से हमला, आरोपी फरार

मुंबई: माहिम पश्चिम के एल जे रोड इलाके में एक चौंकाने वाली और हिंसक घटना सामने आई है, जहां महज सड़क किनारे पेशाब करने की मामूली बात पर एक व्यक्ति पर कांच की ट्यूबलाइट से जानलेवा हमला कर दिया गया। घायल पीड़ित ने मामले की शिकायत माहिम पुलिस थाने में दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित जगदीश अशोक राठौड़ (38 वर्ष) 9 जुलाई 2026 की देर रात करीब 12:30 बजे अपनी पत्नी से मिलकर घर लौट रहे थे। इस दौरान एल जे रोड पर 'द लिविंग रूम' के सामने उन्हें लघुशंका (पेशाब) महसूस हुई, जिसके चलते वे गाड़ी की आड़ में किनारे पर गए।भौगोलिक संदर्भ

शिकायत के मुताबिक, उसी वक्त पीले रंग की टी-शर्ट पहने एक अज्ञात व्यक्ति वहां आया और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए पीड़ित को धमकाने लगा। पीड़ित ने विनम्रता से माफी मांगते हुए वहां से जाने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने हाथ में पकड़ी हुई कांच की ट्यूबलाइट से पीड़ित की बाईं पसलियों के नीचे जोरदार वार कर दिया।हिंसात्मक अपराध

हमलावर ने दी जान से मारने की धमकी

हमले के बाद जब पीड़ित ने मदद के लिए चिल्लाया, तो वहां कुछ लोग जमा हो गए। यह देख आरोपी ने हाथ में टूटी हुई ट्यूबलाइट लेकर भीड़ को धमकाया और चिल्लाते हुए वहां से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल जगदीश राठौड़ को उपचार के लिए बांद्रा स्थित भाभा अस्पताल ले गई, जहाँ उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि पीले टी-शर्ट वाले उस हमलावर की पहचान की जा सके।

मुंबई : गोवंडी पुलिस ने हेल्थ पॉलिसी के नाम पर लोगों से ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया

कई राज्यों में फैला नेटवर्क... 12 गिरफ्तार

मुंबई : गोवंडी पुलिस ने हेल्थ पॉलिसी के नाम पर लोगों से ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन फर्जी कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ करते हुए कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन और गोल्ड के सिक्कों समेत करीब 17 लाख रुपये से ज्यादा का सामान जब्त किया गया है।

कैसे हुआ इस बड़े फजीर्वाड़े का खुलासा?

यह पूरा मामला तब सामने आया जब एक पीड़ित ने गोवंडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता को आरोपियों ने फोन करके खुद को एचडीएफसी एर्गो हेल्थ पॉलिसी के ऑफिस से होने का झांसा दिया था। ठगों ने पीड़ित से झूठ बोला कि उनकी पॉलिसी पर 1 लाख 53 हजार 825 रुपये का 'नो क्लेम बोनस' मिलने वाला है, जिसे हासिल करने के लिए एक प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस झांसे में आकर पीड़ित ने अपने क्रेडिट कार्ड की जानकारी उनके साथ साझा कर दी। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर अलग-अलग तरीके से कुल 3 लाख 43 हजार रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी कर दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मुंबई के डीसीपी समीर शेख ने बताया कि गोवंडी पुलिस की साइबर टीम ने मामले का टेक्निकल इन्वेस्टीगेशन शुरू किया, तो उन्हें कुर्ला पश्चिम के कोहिनूर सिटी मॉल में मौजूद 'एम.के. रिक्रूटमेंट मैनपावर' नाम की जगह पर फर्जी कॉल सेंटर चलने की जानकारी मिली। पुलिस ने वहां छापा मारकर फर्जी कॉल सेंटर चलाने के लिए इस्तेमाल होने वाले कंप्यूटर, लैपटॉप, वाई-फाई राउटर, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और ग्राहकों को फंसाने वाली कॉलिंग स्क्रिप्ट बरामद की। मौके से 6 आरोपियों को हिरासत में लिया गया। यह आरोपी ठगी के पैसों से क्रेडिट कार्ड के जरिए ऑनलाइन गोल्ड के सिक्के और दूसरा सामान ऑर्डर करते थे।

लोगों को कैसे बनाते थे निशाना?

डीसीपी समीर शेख ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों से जब सख्ती से पूछताछ की गई, तो पता चला कि ये लोग एचडीएफसी कंपनी का हेल्थ इंश्योरेंस लेने वाले ग्राहकों का डेटा और सिम कार्ड हासिल कर उन्हें निशाना बनाते थे। पुलिस ने डेटा और सिम कार्ड सप्लाई करने वाले 3 और आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनसे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुंबई के आसाल्फा विलेज के साईं लीलावती निवास और कोहिनूर मॉल के एक अन्य गाले में चल रहे दो और फर्जी कॉल सेंटरों पर छापेमारी की। वहां से भी कॉल सेंटर का पूरा सामान जब्त किया गया और बाकी आरोपियों को पकड़ा गया।

Scanned with OKEN Scanner

मुंबई : मुख्यमंत्री ने समग्र शहरी विकास को गति देने के लिए 'अर्बन चैलेंज फंड' के गठन का किया आव्हान

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को शहरों के विकास को तेज करने के लिए 'शहरी चुनौती कोष'(अर्बन चैलेंज फंड) बनाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि शहर देश की आर्थिक प्रगति के प्रमुख इंजन हैं, इसलिए उनके विकास में आने वाली समस्याओं को योजनाबद्ध तरीके से दूर किया जाना चाहिए। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस पहल पर भरोसा जताते हुए कहा कि 'शहरी चुनौती कोष'से शहरों में बुनियादी सुविधाओं और सरकारी सेवाओं में बड़ा सुधार होगा। उन्होंने सोमवार को शहरी विकास विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें इस योजना को लागू करने के तरीके और उसकी रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अर्बन चैलेंज फंड की वित्तीय व्यवस्था पर भी चर्चा हुई।

इसके तहत कुल 90,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है। इस योजना के तहत महाराष्ट्र के लिए 44,800 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें 11,200 करोड़ रुपए केंद्र सरकार, 11,200 करोड़ रुपए राज्य सरकार देगी, जबकि बाकी 22,400 करोड़ रुपए बाजार आधारित वित्तीय व्यवस्था के जरिए जुटाए जाएंगे। इस राशि का उपयोग शहरों में बड़े और बदलाव लाने वाले विकास कार्यों के लिए किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि स्थानीय निकायों के लिए धन जुटाने के मामले में महाराष्ट्र पहले ही कई अहम कदम उठा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य ने इस दिशा में अच्छी प्रगति की है और इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिले हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इससे पहले नासिक और पुणे नगर निगम जलापूर्ति और स्वच्छता परियोजनाओं के लिए सफलतापूर्वक धन जुटा चुके हैं। इन वित्तीय योजनाओं को राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) की मंजूरी भी मिल चुकी है।

पुणे: वारकरियों के जुलूस में ट्रक ने मारी टक्कर

पुणे: महाराष्ट्र के पुणे जिले में वारकरी समुदाय की धार्मिक शोभायात्रा 'वारी' के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक ट्रक की टक्कर से तीन महिला वारकरियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद यात्रा में अफरातफरी मच गई और श्रद्धालुओं के बीच शोक की लहर फैल गई। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना सोमवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे जेजुरी की ओर जाने वाले मार्ग पर एक होटल के पास हुई। हादसे के समय बड़ी संख्या में वारकरी भगवान विट्ठल के दर्शन के लिए निकली शोभायात्रा में शामिल थे। इसी दौरान एक ट्रक यात्रा के साथ चल रहे श्रद्धालुओं के समूह में जा घुसा। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, ट्रक चालक किसी अन्य वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान उसने ट्रक को बाईं ओर मोड़ दिया, जहां वारकरी चल रहे थे। ट्रक की चपेट में आने से तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा।

पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक की उम्र करीब 70 वर्ष है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि चालक की तबीयत खराब थी और उसने जुकाम-बुखार की दवा ली थी। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। यह हादसा मुख्य पालखी शोभायात्रा से करीब 12 किलोमीटर आगे हुआ। वारकरी परंपरा में 'वारी' यात्रा का विशेष धार्मिक महत्व है, जिसमें हजारों श्रद्धालु पैदल चलकर भगवान विट्ठल के मंदिर तक पहुंचते हैं। इस यात्रा में महाराष्ट्र के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं।

हादसे की खबर मिलते ही वारकरी समुदाय में दुख का माहौल बन गया। श्रद्धालुओं ने मृत महिलाओं के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। प्रशासन ने भी घटना पर दुख व्यक्त करते हुए घायलों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही है। पुलिस अब ट्रक चालक से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दुर्घटना लापरवाही, तकनीकी खराबी या किसी अन्य कारण से हुई। हादसे के बाद धार्मिक यात्राओं के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

महाराष्ट्र में वारकरी यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे आयोजनों में वाहनों की आवाजाही और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा इंतजाम और मजबूत किए जाएंगे।

हिट एंड रन मामले में नामी कारोबारी गिरफ्तार... पिता की मौत, बेटा गंभीर

उल्हासनगर: महाराष्ट्र ठाणे जिले उल्हासनगर में हुए एक सनसनीखेज हिट एंड रन मामले में कल्याण के नामी स्वर्ण व्यवसायी अविनाश मुथा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस हादसे में देवेंद्र सिंह राजपूत की मौत हो गई, जबकि उनके बेटे संजय सिंह राजपूत गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना उल्हासनगर-1 स्थित बिर्ला गेट के सामने हुई। देवेंद्र सिंह राजपूत अपने बेटे संजय सिंह राजपूत के साथ दोपहिया वाहन से शहाड़ स्टेशन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो कार चालक ने कुछ दूरी पर वाहन रोका। हालांकि, आरोप है कि चालक ने वाहन पीछे लिया और घायल वृद्ध के ऊपर से दोबारा कार निकालते हुए वहां से फरार हो गया। पुलिस इस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने देवेंद्र सिंह राजपूत को मृत घोषित कर दिया। वहीं उनके बेटे संजय सिंह राजपूत की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका उपचार जारी है। मामले में कार्रवाई करते हुए उल्हासनगर पुलिस ने आरोपी अविनाश मुथा को गिरफ्तार कर लिया है तथा दुर्घटना में इस्तेमाल कार को भी जब्त कर लिया है।

मुंबई: 'ब्रेकिंग न्यूज आने वाली है', एकनाथ शिंदे के इस बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल

मुंबई: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे द्वारा 'ऑपरेशन टाइगर' के संबंध में 'पिक्चर अभी बाकी है' की घोषणा बालासाहेब ठाकरे की विरासत की लड़ाई में एक और भी आक्रामक मोड़ का संकेत देती है। यह चेतावनी देते हुए कि ऑपरेशन अभी समाप्त नहीं हुआ है और 'और भी ब्रेकिंग न्यूज' आने वाली है, उपमुख्यमंत्री शिंदे विपक्ष के शेष तत्वों को एक स्पष्ट मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक संदेश दे रहे हैं। शिंदे द्वारा एक लोकप्रिय बॉलीवुड संवाद का उपयोग करना अधिकतम मनोवैज्ञानिक व्यवधान पैदा करने के लिए किया गया है। शिवसेना (यूबीटी) के नौ लोकसभा सांसदों में से छह को दलबदल कराकर, शिंदे खेमे ने दसवीं अनुसूची के तहत दलबदल विरोधी दंड से बचने के लिए आवश्यक कानूनी बढ़त (दो-तिहाई बहुमत) हासिल कर ली है।

हालांकि, ऑपरेशन टाइगर 2.0 के खतरे को जीवित रखने से उद्धव ठाकरे (यूबीटी) के बचे हुए कार्यकर्ताओं को स्थिर होने या जवाबी रणनीति बनाने में बाधा आ रही है। 'पिक्चर अभी बाकी है' वाक्यांश से संकेत मिलता है कि दल-बदल का सिलसिला केवल नई दिल्ली तक ही सीमित नहीं है। शिंदे गुट यूबीटी के बचे हुए विधायकों और नगर निगम पार्षदों (विशेषकर मुंबई, ठाणे और मराठवाड़ा क्षेत्रों में) को संकेत दे रहा है कि दरवाजे खुले हैं, जिससे बचे हुए लोगों में राजनीतिक अलगाव की भावना पैदा हो रही है। चल रहे अभियानों को लेकर शिंदे का सार्वजनिक बयानबाजी गठबंधन सहयोगियों के साथ-साथ विपक्ष पर भी लक्षित है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि निरंतर राजनीतिक दांव-पेच से भले ही तुरंत सुर्खियां बटोरी जा सकें, लेकिन लंबे समय तक चलने वाले ऑपरेशन टाइगर में कई संरचनात्मक कमजोरियां हैं।

लाडकी बहिन योजना विवाद: अरविंद सावंत ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप...

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की 'माझी लड़की बहिन योजना' से लाखों महिलाओं के नाम ''हटा'' दिए गए और इसे ''संविधान का घोर उल्लंघन'' बताया।पत्रकारों से बात करते हुए सावंत ने कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान लाखों महिलाओं ने सत्ताधारी गठबंधन का समर्थन किया था।उन्होंने कहा, ''इस योजना से लाखों महिलाओं के नाम रद्द कर दिए गए। ये वही महिलाएं थीं जो इस लालच में आकर मौजूदा सरकार को सत्ता में लाई थीं, और सिर्फ.महिलाओं ने ही वोट नहीं दिया था; उनके परिवारों ने भी वोट दिया था। अब सरकार क्या करने जा रही है? उन्होंने नाम रद्द कर दिए हैं। नतीजा हमें भुगतना पड़ रहा है। यह जनता का पैसा है।''

सावंत ने आगे आरोप लगाया कि यह कार्रवाई संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य आर्थिक संकट से जूझ रहा है और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार पर राज्य के लिए गंभीर स्थिति पैदा करने का आरोप लगाया।

सीएजी रिपोर्ट कई मुद्दों को उजागर करती है। कर्ज का बोझ बहुत ज्यादा है; यह राज्य के राजस्व के 100 प्रतिशत से अधिक होने वाला है। उन्होंने हमारी राज्य सरकार के लिए ऐसी ही गंभीर स्थिति पैदा की है।''महिला एवं बाल विकास विभाग और महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य राज्य भर की पात्र महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत, 21 से 65 वर्ष की आयु की महिलाओं को उनके स्वास्थ्य और पोषण में सुधार करने और परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका को मजबूत करने के लिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 1,500 रुपये का आर्थिक लाभ दिया जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

मुंबई : 'हनुमान चालीसा का विरोध करने वाले अब राम रक्षा का पाठ कर रहे', शिंदे का उद्धव ठाकरे पर तंज

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) गुट पर तीखा हमला किया। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक के विरोध-प्रदर्शन को समर्थन देने की घोषणा करने के लिए यूबीटी गुट की आलोचना की और उन पर देश भर में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिंदे ने कई मुद्दों पर बात की, जिनमें हिंदुत्व, राम मंदिर, अनुच्छेद 370, प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व, विपक्ष की राजनीति, एनडीए, पेपर लीक और क्षेत्रीय प्रशासनिक कार्रवाई शामिल हैं।

यूबीटी की हालत को 'अपनी पूंछ में आग लगी है, लेकिन पहाड़ की आग बुझाने दौड़ रहे हैं' बताते हुए शिंदे ने कहा कि यूबीटी गुट में सड़कों पर उतरने की हिम्मत नहीं है, फिर भी वे 'तुम लड़ो, हम तुम्हारे कोट पकड़ेंगे' वाली सोच के साथ राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। वांगचुक के आंदोलन को यूबीटी गुट के समर्थन पर निशाना साधते हुए शिंदे ने कहा कि यह समझ बहुत देर से आई है। उन्हें सरकार के खिलाफ उठने वाले किसी भी विरोध का समर्थन करने की आदत है, फिर भी वे कभी नेतृत्व करने के लिए सड़कों पर नहीं उतरते, बल्कि घर बैठे समर्थन देते हैं।

शिंदे ने विपक्ष पर भारत की तुलना श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश जैसे संकटग्रस्त देशों से करके डर का माहौल बनाने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन देशों की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई थी, जिससे लोगों का जीवन-यापन मुश्किल हो गया था, जबकि भारत की स्थिति बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। मोदी सरकार ने 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज दिया है और 32 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। भारत की

तुलना श्रीलंका या बांग्लादेश से करना सिर्फ राजनीतिक अवसरवाद है। शिंदे ने ठाकरे पर भी निशाना साधा और कहा कि जो लोग हनुमान चालीसा का विरोध करते थे, वे अब राम रक्षा का पाठ कर रहे हैं। जिस दिन उद्धव ठाकरे ने दिवंगत बालासाहेब ठाकरे के मूल मूल्यों को छोड़ा, उसी दिन उनके हिंदुत्व का अंत हो गया। उन्होंने इस बात पर हैरानी जताई कि यूबीटी गुट सत्ता में बने रहने के लिए उन राजनीतिक ताकतों के साथ मिल रहा है, जो वीर सावरकर को 'अंग्रेजों का मददगार' बताती हैं।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ करने वालों को जेल में डाला था, वे अब राम रक्षा का पाठ कर रहे हैं। उन्हें आखिरकार समझ आ गया है कि जो राम के साथ नहीं हैं, वे किसी काम के नहीं हैं, लेकिन जनता सब समझती है। शिंदे ने राम मंदिर बनाने और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के जरिए बालासाहेब ठाकरे के सपनों को पूरा करने का श्रेय पीएम मोदी को दिया। उन्होंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रशासन और गठबंधन से जुड़े अहम मुद्दों पर भी बात की।

महाराष्ट्र: वियतनाम नाव हादसे में मारे गए 15 भारतीयों के शव मुंबई लाए गए

मुंबई: वियतनाम में फु क्वोक आइलैंड के पास हुए दुखद नाव हादसे में मारे गए सभी 15 भारतीय टूरिस्टों के शव बीती रात मुंबई लाये गए. शवों को वियतनाम एयरलाइंस की स्पेशल फ्लाइट से रात 9:19 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचाया गया.

मंगलवार को शवों को उनके संबंधित दक्षिणी राज्यों में ले जाया जाएगा और खास सुरक्षा व्यवस्था के तहत उनके परिवारों को सौंप दिया जाएगा. मंगलवार को शवों को दक्षिणी राज्यों में भेजा जाएगा. वियतनाम से लाए गए 15 शवों को डोमेस्टिक फ्लाइट्स के जरिए तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश ले जाया जाएगा. 15 पीड़ितों में से 10 तमिलनाडु से, दो केरल से और तीन आंध्र प्रदेश से है. (इनमें दो महिलाएं शामिल हैं).

वियतनाम से फ्लाइट के आने से पहले आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंच गई थी. आंध्र प्रदेश के तीन शवों को अपने के बाद टीम सुबह 5:45 एयर इंडिया की फ्लाइट से हैदराबाद के लिए रवाना हुई. इसके बाद सुबह करीब 7:10 बजे, हैदराबाद से एम्बुलेंस से शवों को आंध्र प्रदेश में उनके अपने-अपने घरों तक पहुंचाया जाएगा. केरल के कोट्टाराक्कारा के रहने वाले कपलझ ए.सी. थॉमस (57) और उनकी पत्नी लोवेनी थॉमस (56) के बॉडी को सुबह करीब 6:30 बजे एयर इंडिया की फ्लाइट से तिरुवनंतपुरम भेजा गया. एयरपोर्ट से उन्हें एक स्पेशल एम्बुलेंस में उनके घर ले जाया जाएगा. चेन्नई जाने वाले चार लोगों में से, दो लोगों के शव आज सुबह मुंबई से भेजे गए. बाकी दो के शवों को ले जाने वाली दूसरी फ्लाइट भी मुंबई से रवाना होने वाली है.

मुंबई : पायधुनी कांड पर वारिस पठान बोले- दरिंदे को फांसी दो, फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो सुनवाई

मुंबई : एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने मुंबई के पायधुनी इलाके में मासूम के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना पर गहरा दुख जताते हुए दोषी के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर जल्द से जल्द कड़ी सजा देने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों और महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे के बयान पर भी तल्ख टिप्पणी की। पायधुनी में मासूम बच्ची के साथ हुई कथित दुष्कर्म की घटना पर वारिस पठान ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना है। एक सात-आठ साल की मासूम बच्ची के साथ जिस तरह की हैवानियत की गई, उसे अंजाम देने वाला इंसान नहीं बल्कि दरिंदा है। वह कानून और संविधान में विश्वास रखते हैं, लेकिन ऐसी घटनाएं इंसान को अंदर तक झकझोर देती हैं। दोषी के खिलाफ कानून के तहत सबसे कठोर कार्रवाई होनी चाहिए और अदालत को उसे फांसी की सजा देनी चाहिए। सरकार इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराए, स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्त करे और जल्द से जल्द पीड़िता को न्याय दिलाए। यदि ऐसे मामलों में त्वरित और सख्त सजा मिलेगी तो समाज में एक स्पष्ट संदेश जाएगा कि महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

वारिस पठान ने कहा कि एक तरफ 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और महिला सम्मान की बातें की जाती हैं, दूसरी ओर मासूम बच्चियां भी सुरक्षित नहीं हैं। कानून का सख्ती से पालन और अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई ही ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने का प्रभावी तरीका है। इस मामले को लेकर उनकी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों से बातचीत हुई है। बच्ची का इलाज जारी है और पुलिस प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि मामले में पूरी गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे असामाजिक तत्वों पर लगातार निगरानी रखने और एहतियाती कदम उठाने की भी मांग की। उन्होंने पीड़ित बच्ची के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उसके परिवार को इस कठिन समय में हिम्मत और धैर्य मिलने की प्रार्थना की।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों और इस मामले में मंत्री नितेश राणे द्वारा विपक्ष को 'औरंगजेब के वंशज' बताए जाने वाले बयान पर भी वारिस पठान ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यदि चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे हैं और उसमें किसी मुस्लिम की भूमिका नहीं बताई जा रही, तो फिर ऐसे मामलों को धार्मिक रंग देने का क्या औचित्य है। हिंदू समाज की आस्था से जुड़े इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कथित तौर पर कई ऐसे साक्ष्य सामने आए हैं, जिनमें चढ़ावे के धन में गड़बड़ी के संकेत मिले हैं।

मुंबईः बच्ची के यौन शोषण का आरोपी सुरक्षा गार्ड 18 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

मुंबईः दक्षिण मुंबई के पायधुनी (दाना बंदर) इलाके में एक नाबालिग बच्ची के साथ कथित यौन शोषण का मामला सामने आया है। इस मामले में गिरफ्तार सुरक्षा गार्ड को पॉक्सो अदालत ने 18 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, घटना 12 जुलाई को उस समय हुई, जब करीब 7 वर्षीय बच्ची आवासीय भवन के वॉशरूम में गई थी। आरोप है कि उसी इमारत में तैनात सुरक्षा गार्ड भी वॉशरूम में पहुंचा और बच्ची का यौन शोषण किया। घटना में बच्ची घायल हो गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल बच्ची की हालत स्थिर बताई जा रही है और वह डॉक्टरों की निगरानी में है।

घटना की जानकारी सामने आने के बाद इलाके में लोगों में भारी नाराजगी फैल गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पायधुनी पुलिस स्टेशन के बाहर जमा हुए और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ समय के लिए मुख्य सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोपी को जल्द से जल्द सख्त सजा देने की मांग की। मौके पर पहुंचे स्थानीय विधायक अमीन पटेल और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और भरोसा दिलाया कि मामले में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने पुलिस अधिकारियों से इस पूरे मामले की जानकारी ली और प्रदर्शन करने वाले लोगों से शांति बरतने की अपील की। प्रदर्शन करने वाले लोगों ने आरोपी सुरक्षा गार्ड के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट्स से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी सिक्योरिटी गार्ड झारखंड का रहने वाला है और वह पांच महीने से काम कर रहा था।

Scanned with OKEN Scanner

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

सोशल मीडिया के हमाम में...

पुलिस के एक अधिकारी का निलंबन चकित करता है या एक पुलिस बैंड 'हारमनी ऑफ द पाइंस' के प्रभारी विजय कुमार पर हुई कार्रवाई हैरान करती है। एक पुलिस अधिकारी के मशहूर होने के कारणों में कानून-व्यवस्था का पैमाना हो सकता है, लेकिन यहां जिस इंस्पेक्टर का जिक्र हो रहा है, वह म्यूजिक की शब्दावली में बैंड मास्टर है जिसके कंधों पर वर्दी का गौरव और सर्विस रूल्स की फाइल लटक रही है। शौर्य, सूरत और सीरत में यहां यह मामला इतना भी आसान नहीं कि सोशल मीडिया में तू तू-मैं मैं से हल निकल आए या निर्णायक वोटिंग हो जाए। सरकारी नौकरी के नियम व वर्दी के सिद्धांत इतने भी नाजुक नहीं कि पुलिस बैंड को मात्र गवैया मान लें। यहां पूरी की पूरी हिमाचल पुलिस ने इस बैंड का प्रतिनिधित्व किया और इसलिए 'हुनरबाजी' के शो में एक राज्य की वर्दी जीती थी। महफिल भले ही बैंड ने लूटी हो, लेकिन वहां मिला हर सलाम वर्दी के लिए और वर्दी के हित में था। इसलिए विजय कुमार को मिली शोहरत उसकी निजी उपलब्धि नहीं थी। जब तक शरीर पर वर्दी और वर्दी की पॉकेट में सरकारी पगार है, उसके जीवन की मयार्दाएं, शगल, शगुन और परंपराएं सरकारी दिशा-निर्देश से ही चलेंगी। ऐसे में आरोपों की खारिश तो भुगतनी ही पड़ेगी। सिविल सर्विस रूल्स उनके लिए इतने तीखे-इतने कांटेदार क्यों हुए, उसके ऊपर जांच ही कोई फैसला ले सकती है, फिर भी सोशल मीडिया के हमाम में कई वरिष्ठ अधिकारी भी अगर नापाक हुए हैं, तो कार्रवाइयों की ईमानदारी दोहरा व्यवहार नहीं कर सकती।

हमने कुछ प्रशासनिक अधिकारियों को नैतिकता और सेवा शर्तों का उल्लंघन करते देखा है, तो ये चैपटर्स भी देखे जाने चाहिएं, ताकि सनद रहे। सार्वजनिक क्षेत्र के तहत सोशल मीडिया की फिजूलखर्ची का यह अदब है कि कई अध्यापक, साधारण कर्मचारी, मातहत अनुशासित परंपराएं भूल रहे हैं। कर्मचारियों-कर्मचारियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और अधिकारियों-अधिकारियों के बीच सोशल मीडिया का खेल बेजा है। सोशल मीडिया के पाप भयंकर शक्ल अख्तियार न करें, इसके लिए देश-प्रदेश ही नहीं, समाज को भी नैतिक उच्चारण करना पड़ेगा।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

पुणे : जेजुरी हादसे में 3 महिला वारकरियों की मौत, 5 लाख मुआवजे का ऐलान

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे जिले में जेजुरी के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन महिला तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हादसे में कई अन्य वारकरी घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। यह सभी श्रद्धालु सालाना आषाढ़ी वारी तीर्थयात्रा के लिए पंढरपुर जा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही राज्य सरकार सक्रिय हो गई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतक श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि घायलों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए और उन्हें तुरंत बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

राज्य सरकार की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, हादसे में कई वारकरी घायल हुए हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों की टीम घायलों का इलाज कर रही है और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अधिकारियों से कहा कि राहत और बचाव कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी घायल श्रद्धालुओं को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाए और उनके इलाज में कोई कमी न छोड़ी जाए।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस घटना को गंभीरता से लिया। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाली महिला श्रद्धालुओं के परिवारों के लिए 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि घायल वारकरियों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी। महाराष्ट्र में आषाढ़ी वारी यात्रा का विशेष धार्मिक महत्व है। हर साल लाखों की संख्या में वारकरी संत ज्ञानेश्वर महाराज और संत तुकाराम महाराज की पालकी के साथ पंढरपुर स्थित भगवान विठ्ठल के दर्शन के लिए पैदल यात्रा करते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु सड़कों से होकर गुजरते हैं।

वारी यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होती है। लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए जाते हैं। इसके बावजूद कई बार सड़क हादसों जैसी घटनाएं सामने आ जाती हैं। जेजुरी के पास हुए इस हादसे के बाद प्रशासन ने स्थिति की समीक्षा शुरू कर दी है। अधिकारियों को घायलों की देखभाल और राहत कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसमें किस तरह की लापरवाही रही। हादसे की खबर फैलते ही वारकरी समुदाय और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। श्रद्धालुओं ने मृतक महिलाओं के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। यात्रा मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने पर भी विचार किया जा रहा है। राज्य सरकार ने कहा है कि वारकरी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन को यात्रा के दौरान यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पुणे: एमडी ड्रग्स लैब की खबरों का सीबीएन ने किया खंडन,

कहा- केवल उपकरण हुए थे बरामद

पुणे: पुणे के दिघी-भोसरी क्षेत्र में कथित तौर पर हाईटेक एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स लैब संचालित होने की खबरों पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए इन दावों का खंडन किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पुणे में एमडी बनाने वाली कोई सक्रिय प्रयोगशाला नहीं पाई गई थी और इस संबंध में प्रसारित कुछ खबरें तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। सीबीएन, नीमच (मध्य प्रदेश) की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, यह मामला फरवरी 2026 में चलाए गए 'ऑपरेशन वज्र' से जुड़ा हुआ है। इस अभियान के तहत सबसे पहले मध्य प्रदेश के मंदसौर में छापेमारी कर 8.17 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया था।

जांच आगे बढ़ने पर अधिकारियों ने महू (मध्य प्रदेश) में कार्रवाई करते हुए 43.82 किलोग्राम मेफेड्रोन, 261.32 किलोग्राम प्रीकर्सर केमिकल्स तथा ड्रग्स निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जब्त किए थे। जांच के दौरान यह भी पता चला कि इस पूरे नेटवर्क का मुख्य आरोपी राजस्थान के जोधपुर का रहने वाला है और वहीं पर मेफेड्रोन निर्माण की लैब संचालित कर रहा था। आरोपी ने एमडी ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले कुछ उपकरण पुणे में अपने एक रिश्तेदार के घर पर छिपाकर रखे थे। इस जानकारी के आधार पर सीबीएन ने जोधपुर और पुणे में एक साथ छापेमारी की। पुणे के दिघी इलाके में कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने ड्रग्स निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए, जिन्हें सीलबंद बक्सों में रखा गया था। सीबीएन की जांच में यह भी सामने आया कि जिन रिश्तेदारों के घर ये उपकरण रखे गए थे, उन्हें इनके वास्तविक उपयोग या उद्देश्य की कोई जानकारी नहीं थी। इसी कारण पुणे से किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं की गई।

मुंबई : कावेसर झील के संरक्षण को लेकर विधायक केलकर का सख्त रुख

मुंबईः ठाणे शहर अब झीलों का शहर अब कंक्रीट का शहर बनता जा रहा है और इससे पर्यावरण पर असर पड़ रहा है। इसलिए ठाणे के विधायक संजय केलकर ने कहा है कि वे कावेसर झील को कंक्रीट नहीं बनने देंगे। हीरानंदानी इलाके के लोगों और पर्यावरणविदों ने आज विधायक संजय केलकर से जनसेवाकच जनसंवाद प्रोग्राम में मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने मांग की कि कावेसर झील को कंक्रीट बनने से रोका जाए। इस बारे में बात करते हुए, बीजेपी विधायक केलकर ने लोगों को भरोसा दिलाया। एक समय था जब ठाणे शहर को झीलों का शहर कहा जाता था। उन्होंने कहा कि अब अतिक्रमण की वजह से झीलें गायब हो गई हैं। कावेसर झील का इलाका पर्यावरण के लिए अच्छा है और यहां कई तरह के पक्षी और बायो-चेन पाए जाते हैं। लोगों का कहना है कि कंक्रीट बनने से पर्यावरण को नुकसान होगा। इसलिए, मिस्टर केलकर ने कहा कि विधायक झील की प्राकृतिक स्थिति को बनाए रखने के लिए समय-समय पर फंड देंगे।

खोपट में भाजपा के 111वें जनसेवक जनसंवाद कार्यक्रम में कई लोगों ने बयान देकर शिकायत की। हालांकि ठाणे में चल रहा एसआरए प्रोजेक्ट तारीफ के काबिल है, लेकिन इस प्रोजेक्ट के डेवलपर्स की ज़िद ने आस-पास की भवनों के लिए खतरा पैदा कर दिया है। केलकर ने मीडिया को बताया कि उन्होंने एस आर ए अधिकारियों से बात की और उन्हें डेवलपर के खिलाफ एक्शन लेने के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बिना इजाजत के कंस्ट्रक्शन और फेरीवालों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है, जिससे एक्सीडेंट हो रहे हैं। इसलिए, भले ही पद रिक्त हों, पर दोषी अधिकारियों को घर पर बिठाया जाए। उन्होंने नगर निगम प्रशासन पर भी निशाना साधा। प्रशासन की प्लानिंग की कमी के कारण शहर की हालत खराब है। मॉनसून से पहले पेड़ों की छंटाई और नालों की सफाई जरूरी है। लेकिन, अगर ये काम समय पर नहीं किए गए, तो एक्सीडेंट होते हैं और जानें जाती नहै ।

Scanned with OKEN Scanner

मुंबई : समुद्र में उठेंगी ऊंची लहरें, मुंबई में 18 जुलाई तक हाई टाइड की चेतावनी !

मुंबई : मुंबई में समुद्र में ऊंचे ज्वार (हाई टाइड) की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों के लिए अलर्ट जारी किया है। 14 जुलाई से 18 जुलाई 2026 के बीच समुद्र में तेज और ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई गई है। इसे देखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और स्थानीय प्रशासन ने लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि हाई टाइड के दौरान समुद्र का जलस्तर सामान्य से अधिक बढ़ सकता है, जिससे तटीय इलाकों में पानी भरने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में नागरिकों को समुद्र किनारे जाने से बचने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी गई है।

बीएमसी ने लोगों से अपील की है कि वे समुद्र तटों, चट्टानी इलाकों और उन स्थानों पर जाने से बचें जहां तेज लहरों का खतरा अधिक रहता है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि समुद्र के उफान के दौरान लापरवाही करना जानलेवा साबित हो सकता है। विशेष रूप से मछुआरों, पर्यटकों और समुद्र किनारे रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने कहा है कि लोग स्थानीय स्तर पर जारी

होने वाले दिशा-निदेशों का पालन करें और किसी भी तरह का जोखिम न उठाएं।

हाई टाइड के पीछे वैज्ञानिक कारण समुद्र में हाई टाइड आने के पीछे वैज्ञानिक और भौगोलिक कारण जिम्मेदार होते हैं। चंद्रमा और सूर्य का गुरुत्वाकर्षण बल समुद्र के पानी को अपनी ओर खींचता है, जिसके कारण समुद्र का जलस्तर बढ़ जाता है। इसी प्रक्रिया को ज्वार कहा जाता है। मुंबई की भौगोलिक स्थिति भी हाई टाइड के प्रभाव को बढ़ाती है। अरब सागर से लगे मुंबई के तटीय क्षेत्र और कोंकण तटरेखा की बनावट के कारण यहां समुद्री लहरों का दबाव अधिक महसूस किया जाता है। यही वजह है कि मुंबई में ज्वार का असर कई अन्य तटीय इलाकों की तुलना में ज्यादा दिखाई देता है।

बारिश के दौरान बढ़ सकती है परेशानी

मुंबई में मानसून के दौरान हाई टाइड की स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है। तेज बारिश के समय शहर का पानी नालों और ड्रेनेज सिस्टम के जरिए समुद्र में जाता है। लेकिन जब समुद्र का जलस्तर ड्रेनेज आउटलेट से ऊपर पहुंच जाता है तो पानी की निकासी प्रभावित हो सकती है। इस स्थिति में शहर के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या पैदा होने की संभावना रहती है। प्रशासन का कहना है कि हाई टाइड और बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था पर विशेष नजर रखी जाएगी।

बीएमसी और संबंधित विभागों ने आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें।

मुंबई के पास सड़क न होने से गर्भवती महिला को स्लिंग में उठाकर अस्पताल ले गए ग्रामीण, वीडियो वायरल

मुंबई : ठीक बाहर इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी की एक और वजह यह है कि एक प्रेग्नेंट महिला को कपड़े की बनी एक कामचलाऊ स्लिंग में हॉस्पिटल ले जाया गया, क्योंकि गाड़ी चलाने लायक सड़क न होने की वजह से एम्बुलेंस का आना-जाना नामुमकिन था। यह घटना रायगढ़ ज़िले के खालापुर तालुका के उंबराने वाडी में हुई, जो मुंबई से मुश्किल से 80 किलोमीटर और मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर खालापुर टोल प्लाजा से बस कुछ किलोमीटर दूर है।

गांववाले महिला को हॉस्पिटल ले गए इलाके की तस्वीरों में दिख रहा है कि गांववाले प्रेग्नेंट महिला को सुरक्षित जगह ले जाते समय फिसलन भरी चट्टानों, ऊबड़-खाबड़ जमीन और उफनते नालों से गुजरने की कोशिश कर रहे हैं। बाद में उसे डिलीवरी के लिए चौक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। महिला, जिसकी पहचान अनंत पारधी की पत्नी के तौर पर हुई है, को लेबर पेन होने के बाद गांववालों को जंगल के ऊबड़-खाबड़ रास्ते से चौक हॉस्पिटल ले जाना पड़ा। आदिवासी बस्ती तक जाने के लिए कोई पक्की सड़क न होने की वजह से, लोगों ने एक चादर का इस्तेमाल करके स्लिंग बनाया और मेडिकल मदद के लिए कई किलोमीटर तक पथरीले इलाके और नालों को पार करते हुए चले गए।

उम्बराने वाड़ी उन चार आदिवासी बस्तियों में से एक है, जिसमें पिरकडवाड़ी और अर्कासवाड़ी शामिल हैं, जहाँ आजादी के दशकों बाद भी, हर मौसम में चलने वाली सड़कें और बिजली जैसी बेसिक सुविधाओं की कमी है। मराठी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों का कहना है कि गाँव को चौक से जोड़ने वाला पतला पैदल रास्ता हाल ही में हुई भारी मॉनसून की बारिश में बह गया है, जिससे वहाँ पहुँचना और भी मुश्किल हो गया है।

डेवलपमेंट के दावों पर सवाल

मजे की बात यह है कि ये दूर-दराज के गाँव मोरबे डैम के पास हैं, जो नवी मुंबई को पीने का पानी सप्लाई करता है, और ये मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के पास हैं, जो भारत के सबसे बिजी हाईवे में से एक है। इस घटना की स्थानीय लोगों ने आलोचना की है, जिन्होंने सरकार के डेवलपमेंट के दावों पर सवाल उठाए हैं, जबकि देश के सबसे मॉडर्न एक्सप्रेसवे में से एक से थोड़ी ही दूरी पर बसे गाँवों में बेसिक कनेक्टिविटी अभी भी नहीं है।

इस अंतर ने लोगों का ध्यान खींचा है क्योंकि गाड़ी चलाने वाले मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यात्रा करने के लिए खालापुर टोल प्लाजा पर टोल देना जारी रखते हैं, जबकि कुछ ही किलोमीटर दूर रहने वाले लोग अभी भी ठीक सड़क न होने के कारण मरीजों को पैदल ले जाने के लिए मजबूर हैं।

पुणे : पीएम मोदी से पीड़ित मां की गुहार – केतन अग्रवाल मामले में तुरंत हो इंसाफ

पुणे : केतन अग्रवाल की मां राखी अग्रवाल, जिनकी कथित तौर पर पुणे के लोहागढ़ किले के पास उनकी मंगेतर सिया गोयल और उनके कथित प्रेमी चेतन चौधरी ने हत्या कर दी थी, ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपने बेटे के लिए जल्द न्याय की मांग की है। इससे पहले, केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर मामले की तेजी से जांच की मांग की थी। सोमवार को प्रधानमंत्री को भेजे एक ईमेल में, राखी अग्रवाल ने केतन की हत्या के बाद से अपने परिवार पर आए भारी दुख को बताया और इस बात पर जोर दिया कि वह कोई खास मदद नहीं मांग रही हैं।

उन्होंने लिखा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे अपने ही बेटे के लिए न्याय मांगने के लिए आपको पत्र लिखना पड़ेगा। हर मां की तरह, मैंने भी केतन को एक खूबसूरत ज़िंदगी बनाते, शादी करते और हमारे साथ बूढ़ा होते देखने का सपना देखा था। इसके बजाय, मुझे अपने बच्चे का अंतिम संस्कार करना पड़ा।'' उन्होंने आगे कहा, ''एक माँ के लिए इससे बड़ा दर्द और कुछ नहीं हो सकता। मेरे बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी गई, और उसके साथ, मैंने अपनी पूरी दुनिया हमेशा के लिए खो दी। हमारे घर का हर कोना मुझे उसकी याद दिलाता है। उसका कमरा, उसके कपड़े, उसकी तस्वीरें, और उसकी हँसी की जगह आई खामोशी मुझे हर दिन याद दिलाती है कि वह कभी वापस नहीं आएगा।''

महाराष्ट्र ATS ने पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी से ऑनलाइन लिंक मामले में 66 लोगों से पूछताछ शुरू की

मुंबई : महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वाड ने पुणे ज़िले के उन 66 लोगों से पूछताछ शुरू की, जो पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के ''संपर्क में पाए गए'' थे। यह पूछताछ पुणे सिटी पुलिस कमिश्नरेट, पुणे रूरल पुलिस और पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस कमिश्नरेट की मदद से अलग-अलग जगहों पर की जा रही है। एक प्रेस रिलीज के अनुसार, पूछताछ सुबह 7:00 बजे शुरू हुई। यह कार्रवाई इस शक के आधार पर शुरू की गई है कि भट्टी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके युवाओं को देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसा रहा था और प्रभावित कर रहा था।महाराष्ट्र ATS ने 10 जुलाई को पूरे राज्य में एक

ऑपरेशन शुरू किया था, जिसके दौरान उसने सोशल मीडिया के जरिए भट्टी के संपर्क में होने के शक में 102 लोगों से पूछताछ शुरू की। यह कार्रवाई महाराष्ट्र में एजेंसी की 14 क्षेत्रीय इकाइयों की 58 ATS टीमों द्वारा की गई।

ATS के अनुसार, शुरूआती जांच और अलग-अलग एजेंसियों से मिली जानकारी से पता चलता है कि भट्टी और उसके साथियों ने भारतीय युवाओं से संपर्क करने के लिए Fcebook, Ifstgrm, Telegrm और WhtsApp जैसे प्लेटफॉर्म पर कई या फजी अकाउंट का इस्तेमाल किया था। एजेंसी का आरोप है कि इस नेटवर्क ने धार्मिक और सामाजिक रूप से संवेदनशील मुद्दों का फायदा उठाकर नाराजगी पैदा करने और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की कोशिश की। उसने यह भी दावा किया कि बेरोजगार और आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को पैसे का लालच देकर देश-विरोधी और समाज-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसाया गया।

मुंबई: किसान कर्ज माफी को लेकर नया प्रस्ताव तैयार करने में प्रशासन जुटा

मुंबई: महाराष्ट्र में किसान कर्ज माफी योजना को लागू करने में तेजी आ गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा घोषित स्कीम में दबाव वाली शर्तों को रद्द करने के बाद अब इसे असल में लागू करने के लिए प्रशासनिक स्तर गतिविधियां शुरू हो गई हैं। 10 जुलाई को विधानसभा का मानसून सेशन खत्म होने के बाद मंगलवार को पहली कैबिनेट मीटिंग होने वाली है। इस बैठक में रिवाइज्ड कर्ज माफी का प्रस्ताव लाया जाएगा। इस पृष्ठभूमि पर मुख्य सचिव ने सहकारिता और कृषि विभाग के अधिकारियों को देर रात तक रुककर विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कर्ज माफी की घोषणा की तो शुरू में यह डर था कि कुछ तकनीक शर्तों

की वजह से कई किसान लाभ से वंचित रह जाएंगे। विपक्ष, खासकर एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने इस पर कड़ा एतराज जताया था और शर्तों को रद्द करने की मांग की थी। उन्होंने मांग की कि रेगुलर कर्जदारों के लिए 50 हजार की लिमिट बढ़ाई जाए और पूरा फायदा दिया जाए। किसानों ने भी आंदोलन किया था। इसे संज्ञान में लेते हुए मुख्यमंत्री ने मानसून सत्र में ऐलान किया कि सभी जटिल शर्तें खत्म करके नियमित कर्जदारों को सीधे 2 लाख रुपये तक का लाभ दिया जाएगा। योजना का यह बदला हुआ प्रस्ताव मंगलवार की कैबिनेट मीटिंग में रखा जाएगा। मुख्यमंत्री के सुझाव के बाद मुख्य सचिव एक्शन मोड में आ गए हैं। उन्होंने दोनों विभागों के सचिवों को आदेश दिया है कि रात में घर मत जाओ, आज ही विस्तृत प्रस्ताव तैयार करो।

Scanned with OKEN Scanner

हमारी हिट लिस्ट में है यह जगह...

ईरान के परमाणु ठिकाने पर फिर हमले के संकेत

ट्रंप के बयान से बढ़ा तनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। ट्रंप ने सीधे तौर पर चेतावनी दी है कि ईरान का रणनीतिक परमाणु ठिकाना 'पिकएक्स माउंटेन' जल्द ही अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का शिकार बन सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह स्थान न केवल अमेरिका की निरंतर निगरानी में है, बल्कि संभावित सैन्य लक्ष्यों की सूची में भी सबसे ऊपर है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में पहले से ही तनाव चरम पर है।

'पिकएक्स माउंटेन' पर सीधी कार्रवाई के संकेत

कंजर्वेटिव रेडियो होस्ट ''ू हेविट' को दिए एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने खुलासा किया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इस गुप्त ठिकाने पर हर पल नजर रख रही हैं। ट्रंप ने कड़े शब्दों में कहा कि यह हमारी हिट लिस्ट में हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'पिकएक्स' एक संभावित लक्ष्य है और हम इसके मुख्य प्रवेश द्वार पर एक बड़ा हमला कर सकते हैं। फिलहाल वहां कोई बड़ी गतिविधि नहीं दिख रही है, लेकिन जैसे ही ईरान कुछ करने की कोशिश करेगा, उसे नष्ट कर दिया जाएगा। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने अपनी 'रेड लाइन' को फिर से दोहराया। उन्होंने दृढ़ता के साथ कहा कि उनके प्रशासन के रहते ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा।

हालांकि, भारी सैन्य दबाव और धमकियों के बावजूद, ट्रंप ने बातचीत का एक छोटा दरवाजा खुला रखा है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि ईरान सही रास्ते पर आता है, तो एक नया समझौता अब भी संभव है, लेकिन तब तक सैन्य कार्रवाई का विकल्प मेज पर रहेगा।

ईरानी सैन्य शक्ति पर तीखा हमला

ईरान के शीर्ष नेतृत्व पर हमला बोलते हुए ट्रंप ने उन्हें 'पूरी तरह पागल लोग' बता दिया। उन्होंने एक भयावह आशंका जताते हुए कहा कि यदि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल करने में सफल रहा, तो वह महज एक दिन के भीतर उसका इस्तेमाल कर देगा। इसके साथ ही, ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताएं अब लगभग शून्य हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के पास अब न तो प्रभावी वायुसेना बची है और न ही नौसेना, जिससे वह अमेरिका का मुकाबला कर सके।

समझौते तोड़ने वाला देश है ईरान: ट्रंप

आरोप ट्रंप ने ईरान के साथ कूटनीतिक विफलता का ठीकरा तेहरान पर फोड़ा है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका और ईरान एक ऐसे समझौते के बेहद करीब थे जिसमें वाशिंगटन की सभी प्रमुख शर्तें मान ली गई थीं, लेकिन ईरान अंतिम समय में पीछे हट गया। ट्रंप ने कहा, 'वे समझौते केवल तोड़ने के लिए ही करते हैं। वे बिल्कुल भरोसेमंद नहीं हैं।' उनके अनुसार, ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अच्छी स्थिति में नहीं है क्योंकि अमेरिका उसकी हर हलचल को ट्रैक कर उसे नाकाम कर रहा है।

जापान में रूह कंपा देना वाली वारदात:

रूममेट ने सुई-धागे से सिल दिए महिला के होंठ, लिखकर बताई आपबीती...

टोक्यो : जापान के इबाराकी में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां 49 साल की मसाए सकुराई पर आरोप है कि उसने अपनी ही रूमनेट के होंठ सुई धागे से सिल दिए। मामले का खुलासा तब हुआ जब महिला अपनी जान बचाने के लिए किसी तरह रूम से निकलकर पास की एक दुकान तक पहुंची।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अपनी रूम पार्टनर के हमले से घायल 42 साल की महिला किसी तरह पास के दुकानदार के पास पहुंची। होंठ सिले होने के कारण

दर्द से कराहती महिला ने अपनी आपबीती दुकानदार को लिखकर बताई। जिसके बाद दुकानदार ने पुलिस को फोन कर बुलाया।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। महिला के लिखित बयान के आधार पर पुलिस ने पीड़ित की रूममेट को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला ने 29 जून को कथित तौर पर पीड़ित के सुई धागे से होंठ सिल दिए थे। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

पुलिस की जांच में सामने आया है कि मसाए सकुराई, बेसहारा लोगों को अपने घर में रहने के लिए जगह देती थी। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि उसके घर में अक्सर कई महिलाएं और पुरुष दिखाई देते थे। पुलिस अब इसकी भी जांच कर रही है। यह भी जानकारी सामने आई है कि पीड़ित महिला के घर में काफी समय से कैद थी, लेकिन डर की वजह से उसने भागने की कोशिश नहीं की।

ईरान के चलते यूएई शिफ्ट कर रहा अपना बंदरगाह?

अथाह पैसे से बन रहा ये नया पोर्ट...

अरब : मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव को देखकर संयुक्त अरब अमीरात ने अपनी इकोनॉमी और ट्रेड को सुरक्षित रखने के लिए अप्रत्याशित कदम उठाया है. दुनिया की दिग्गज लॉजिस्टिक्स कंपनी 'डीपी वर्ल्ड' अब दुबई के अपने सबसे मशहूर 'जेबेल अली' हब पर निर्भरता कम करने की तैयारी में है. इसके लिए यूएई के पूर्वी तट पर एक बिल्कुल नया मल्टीपर्पज पोर्ट बनाने की योजना पर काम चल रहा है, ताकि रणनीतिक तौर से

संवेदनशील होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे बिना ही व्यापार को जारी रखा जा सके. फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई की यह कंपनी फुजैराह के तटीय इलाके में एक नया बंदरगाह विकसित करने और वहां के मौजूदा हार्बर पर एक नया कंटेनर टर्मिनल बनाने के लिए बातचीत कर रही है. दरअसल, यह पूरा फैसला सुरक्षा और व्यापार को बचाने की मजबूरी से जुड़ा है. फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में जब ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को बंद किया, तब से इस क्षेत्र के सबसे बड़े कंटेनर पोर्ट 'जेबेल अली' का कामकाज 90 से 95 फीसदी तक ठप हो गया है.

ब्रिटेन में हिंदू मंदिर की जमीन मुसलमानों को दिया, अब हो रहा विवाद...

ब्रिटेन : ब्रिटेन की एक स्थानीय सरकारी काउंसिल की कंगाली का खामियाजा वहां रह रहे अल्पसंख्यक हिंदू समाज को भुगतना पड़ रहा है. करीब 40 साल पुराने एक हिंदू मंदिर और कम्युनिटी सेंटर की जमीन को कर्ज और बजट घाटे में डूबी सरकारी काउंसिल ने नीलाम कर दिया और इसे एक मुस्लिम संस्था को सौंपने की मंजूरी दे दी. इस फैसले के बाद ब्रिटेन में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच विवाद बेहद गरमा गया है और मामला अब देश की सबसे बड़ी अदालत की दहलीज पर पहुंच चुका है.

क्या है पूरा विवाद और कहां फंसा है पेंच?

यह पूरा विवाद लंदन से करीब 120 किलोमीटर दूर बसे पीटरबरो शहर का है. यहां एक सरकारी परिसर है जिसे 'न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स' कहा जाता है. इस परिसर में पिछले चार दशकों से 'भारत हिंदू समाज' का मंदिर और कम्युनिटी सेंटर सफलतापूर्वक चल रहा है.

इस पूरी जमीन और परिसर का मालिकाना हक पीटरबरो शहर की स्थानीय सरकार यानी 'पीटरबरो सिटी काउंसिल' के पास है. काउंसिल इस

समय भारी बजट घाटे से जूझ रही है. इस घाटे को पूरा करने के लिए उसने इस सरकारी परिसर को नीलाम करने का फैसला किया. नीलामी प्रक्रिया के बाद काउंसिल ने इस ऐतिहासिक परिसर को एक मुस्लिम धार्मिक और सामाजिक संस्था 'यूनाइटेड किंगडम इस्लामिक मिशन' (UKIM) को बेचने की मंजूरी दे दी.

क्यों जाना पड़ा हाईकोर्ट?

काउंसिल के इस एकतरफा फैसले के खिलाफ 'भारत हिंदू समाज' ने सीधे यूके के हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. हिंदू संगठन ने काउंसिल की नीयत और उसकी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. हिंदू संगठन ने कहा, ''काउंसिल ने नीलामी के दौरान बोलियों की जांच और स्कोरिंग के मूल्यांकन में गंभीर लापरवाही और गलतियां की हैं. काउंसिल के सदस्यों ने जमीनी हकीकत और इसके सामाजिक प्रभाव को देखे बिना, बंद कमरों में सीधे सिफारिशों को मंजूरी दे दी.'' हिंदू समुदाय का कहना है कि यह मामला सिर्फ 'सबसे ऊंची बोली लगाने वाले' को जमीन बेचने का नहीं है. काउंसिल ने इस परिसर की 40 साल पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक भूमिका को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है. इस मंदिर और सांस्कृतिक केंद्र से पीटरबरो और उसके आसपास के लगभग 4,000 हिंदू जुड़े हुए हैं. यह इस इलाके के हिंदुओं का एकमात्र पूजा स्थल है.

अगर इसे बंद कर दिया जाता है, तो स्थानीय हिंदुओं को पूजा-अर्चना या त्योहार मनाने के लिए 56 किलोमीटर दूर कैंब्रिज या फिर 64 किलोमीटर दूर लेस्टर जाना पड़ेगा.

यह विवाद सिर्फ पीटरबरो तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे ब्रिटेन की स्थानीय सरकारों की खस्ता माली हालत है.

Scanned with OKEN Scanner

कटरीना कैफ के टूटे दिल की आवाज बनी थीं सुनिधि... 20 सालों से कल्ट बना हुआ है सैड सॉन्ग

कटरीना कैफ हिंदी सिनेमा की लेडी सुपरस्टार के तौर पर जानी जाती हैं। लंबे समय से वह एक्टिंग की दुनिया से ब्रेक पर मौजूद हैं। लेकिन उनके द्वारा की गई पुरानी फिल्मों की चर्चा अक्सर होती रहती है। आज हम आपको कटरीना की एक कल्ट फिल्म के क्लासिक सैड सॉन्ग के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 20 साल पहले सिनेमा जगत में काफी लोकप्रिय हुआ था। कटरीना कैफ के उस गीत को बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान ने अपनी मधुर आवाज दी थी। आइए जानते हैं कि यहां कौन से गाने के बारे में जिक्र किया जा रहा है है। बतौर एक्ट्रेस कटरीना कैफ की जोड़ी अभिनेता अक्षय कुमार संग काफी सफल रही है।

ये दोनों कलाकार कई शानदार मूवीज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए नजर आए हैं। इस आईकॉनिक जोड़ी की शुरूआत साल 2006 में आई फिल्म हमको दीवाना कर गए से हुई थी।

हत्या या आत्महत्यासुंदरी की मौत का क्या है राज?

मुंबई : एक इन्फ्लुएंसर लेस्बियन सुंदरी ने अपनी प्रेमिका के सामने २७वीं मंजिल के फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर ली। प्रेमिका ने इसके बाद कथित तौर पर एक अजीबोगरीब वॉयस नोट भेजा। मामला रहस्यमयी हो गया। दरअसल, २६ साल की ग्लैमरस कंटेंट क्रिएटर कौआना बिलहार की दुबई स्थित अपने आलीशान अपार्टमेंट से गिरकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि जब यह हादसा हुआ तब उसकी पार्टनर बारबरा एब्रेंटेस फ्लैट के अंदर ही थीं। रिपोर्ट के अनुसार, इस दुखद घटना के तुरंत बाद बारबरा ने एक दोस्त को घबराहट भरा वॉइस मैसेज भेजा। खबरों के मुताबिक, उसने संदेश में मदद की गुहार लगाई और कहा कि उसके माता-पिता को इस घटना के बारे में पता नहीं चलना चाहिए। पुलिस कौआना की मौत की जांच के दौरान बारबरा के गवाहों के बयानों के साथ संदेश की समीक्षा भी कर रही है। दुबई पुलिस ने किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना से इनकार नहीं किया है। जैसे-जैसे फोरेंसिक विशेषज्ञ घटनास्थल की छानबीन कर रहे हैं, वे अभी भी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि मौत एक दुर्घटना, आत्महत्या, हत्या या महिला की हत्या हो सकती है। कौआना एक चर्चित इन्फ्लुएंसर थी। उसकी पार्टनर और वो दोनों साथ ही रहते थे। कुछ दिनों पहले उसकी पार्टनर ने उसे फूलों से भरा गुलदस्ता तोहफे में दिया था। दोनों के बीच अच्छी खासी दोस्ती थी। मगर ऐसा क्या हुआ कि उसने अपनी जान दे दी। पुलिस जांच में जुटी है।

बीबीसी के सीरियल 'द ट्यूडर्स' में अभिनय के लिए जानी जाने वाली पर्डिटा वीक्स ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है।

पैसे के लिए बनाए संबंध
फिर पॉर्नोग्राफी केस में फंसी अभिनेत्री

मुंबई : अभिनेत्री और मॉडल शर्लिन चोपड़ा अपने बेबाक बयानों तथा विवादों के कारण एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनका वर्षों पुराना सोशल मीडिया बयान दोबारा चर्चा में आया है, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया था कि अतीत में उन्होंने पैसे के बदले पुरुषों के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। हालांकि, शर्लिन ने साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि वह उस दौर को पीछे छोड़ चुकी हैं और अब ऐसा नहीं करतीं। बताया जाता है कि वर्ष २०१२ में शर्लिन ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि कई लोग उनसे पैसे देकर संबंध बनाने के लिए संपर्क करते हैं। इसी दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि अतीत में उन्होंने धन के लिए ऐसे संबंध बनाए, लेकिन उन अनुभवों से उन्हें कोई भावनात्मक संतुष्टि नहीं मिली। बाद में उनका यह बयान मनोरंजन जगत में लंबे समय तक चर्चा का विषय बना रहा। शर्लिन 'टाइम पास', 'रेड स्वास्तिक', 'जवानी दीवानी' और 'दिल बोले हड़िप्पा' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह 'बिग बॉस-*' की प्रतिभागी और 'एमटीवी स्प्लिट्सविला' की मेजबान भी रही हैं। अमेरिकी पत्रिका 'प्लेबॉय' के लिए फोटोशूट के बाद उन्हें व्यापक पहचान मिली थी। वर्ष २०२१ में मुंबई पुलिस ने कारोबारी राज कुंद्रा से जुड़े कथित अश्लील फिल्म निर्माण और प्रसारण मामले की जांच के दौरान शर्लिन से पूछताछ की थी। मामले में उनका नाम सामने आया और उन्होंने भी जांच एजेंसियों के समक्ष बयान दर्ज कराया था। हालांकि, किसी मामले में नाम आना या पूछताछ होना अपराध सिद्ध होने के समान नहीं है। अदालत के अंतिम निर्णय तक संबंधित आरोपों को आरोप ही माना जाएगा।

मेरा देवरकोंडा डरावना!..रश्मिका ने गलती से खोल दिया विजय का बड़ा राज

मुंबई : विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की जोड़ी एक बार फिर चर्चा में है। फिल्म 'राणाबाली' के सेट से रश्मिका ने ऐसा बीटीएस (बिहाइंड द सींस) झलक शेयर कर दी, जिसे देखकर फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गई। रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर विजय की एक रहस्यमयी तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका सिर्फ आधा चेहरा नजर आ रहा है। घनी मूंछें, रफ एंड टफ अंदाज और योद्धा वाला लुक देखकर फैंस के बीच फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बन गया है। मजेदार बात ये है कि रश्मिका ने खुद लिखा कि पता नहीं उन्हें ये तस्वीर शेयर करने की इजाजत है या नहीं! उन्होंने बताया कि टीम कुछ बेहद डरावना और खास शूट कर रही है, जिसे देखकर वह खुद भी उत्साहित हैं। विजय ने भी रश्मिका की पोस्ट रीपोस्ट करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा- 'डरावना नहीं, दिव्य है।' अब फैंस फिल्म में इस जोड़ी की केमिस्ट्री देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

Scanned with OKEN Scanner

नासिक : छेड़छाड़ का विरोध करने पर परिवार पर हमला, पुलिस ने 9 आरोपियों को किया गिरफ्तार

नासिक : महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित इगतपुरी के प्रसिद्ध भवाली वॉटरफॉल पर घूमने पहुंचे एक परिवार के साथ कथित तौर पर मारपीट और महिलाओं से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. पीड़ित परिवार का आरोप है कि स्थानीय युवकों ने पहले महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया. जब परिवार ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया. आरोपी यहीं नहीं रुके बल्कि उनकी कार का करीब 10 से 15 किलोमीटर तक पीछा किया. रास्ते में कई बार उन्हें रोकने की कोशिश की गई और लकड़ी के डंडों तथा लोहे की रॉड से हमला किया गया. हमले में कार को भी नुकसान पहुंचाया गया. पीड़ितों का कहना है कि किसी तरह जान बचाकर वे वहां से निकल सके. घटना के बाद पीड़ित परिवार ने इगतपुरी पुलिस स्टेशन और नासिक शहर के अंबड़ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत के आधार पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और बाद में 9 लोगों को हिरासत में भी ले लिया गया है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना की जांच नासिक ग्रामीण पुलिस और अंबड़ पुलिस संयुक्त रूप से कर रही है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है.

मुंबईः भेंडी बाजार में शालिमार हॉस्पिटैलिटी, नूर मोहम्मदी और रहमानिया रेस्टोरेंट के लाइसेंस निलंबित, रसोई में कीड़े ...

मुंबई : अन्न व औषधि प्रशासन (एफडीए) की टीम ने दक्षिण मुंबई के भेडी बाजार में छापेमारी की है। उमरखाड़ी स्थित तीन नामी होटलों पर कार्रवाई की गई है। निरीक्षण में होटलों की रसोई में गंदगी, कीटों का जमावड़ा, खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी और आवश्यक रिकॉर्ड में गंभीर अनियमितताएं पाई गई है। तीनों होटलों के खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए है।

खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन

एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देश पर पूरे राज्य में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

एफडीए अधिकारियों के अनुसार इस अभियान के तहत शालिमार हॉस्पिटैलिटी, नूर मोहम्मदी होटल और रहमानिया रेस्टोरेंट के खाद्य लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। एफडीए की जांच में कच्चे माल की खरीद से सबंधित रिकॉर्ड और खाद्य तेल की गुणवत्ता के अभिलेख भी उपलब्ध नहीं मिले। इन गंभीर अनियमितताओं के आधार पर तीनों होटलों पर कार्रवाई की गई है। इसके अलावा अमरावती स्थित अमरावती दरबार होटल को वैध खाट्य लाइसेंस के बिना व्यवसाय संचालित करने पर होटल बंद करने का नोटिस जारी किया गया है। खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले होटल, रेस्तरा और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

होटल संचालकों के लिए सख्त निर्देश

एफडीए ने होटल संचालकों के लिए पांच सख्त निर्देश जारी किए हैं। सभी होटलों में ग्राहकों को मुफ्त स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। शाकाहारी और मांसाहारी भोजन की तैयारी व भडारण अलग-अलग करना होगा। अलग चॉपिंग बोर्ड का उपयोग करना होगा। जले हुए तेल के दोबारा इस्तेमाल और अखबार में खाद्य पदार्थों की पैकिंग पर पूरी तरह रोक रहेगी। साथ ही रसोई कर्मचारियों की वार्षिक मेडिकल जांच अनिवार्य होगी और किचन में तंबाकू, गुटखा खाने या थूकने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

माहिम के लूनवाड़ा मेंशन के निवासी चिंतित: खतरनाक पेड़ों को काटने की BMC से तत्काल मांग

मुंबईः माहिम स्थित लूनवाड़ा मेंशन के निवासी अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता में हैं। निवासियों का आरोप है कि पड़ोस में स्थित 'माउंट व्यू' परिसर के बड़े पेड़ खतरनाक रूप से उनकी इमारत के करीब बढ़ गए हैं और उनकी छतों के ऊपर तक फैल गए हैं।

निवासियों का डर और मांग:

मानसून का खतरा: भारी बारिश और तेज हवाओं के बीच, निवासियों को डर है कि ये पेड़ या उनकी विशाल शाखाएं कभी भी उनकी इमारत या सड़क पर गिर सकती हैं, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है।

BMC से गुहार: निवासियों ने मुंबई महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिड़े से अपील की है कि वे जी/नॉर्थ वार्ड के गार्डन विभाग और आपदा प्रबंधन सेल को तत्काल निजी परिसर में स्थित इन खतरनाक पेड़ों की छंटाई करने का निर्देश दें।

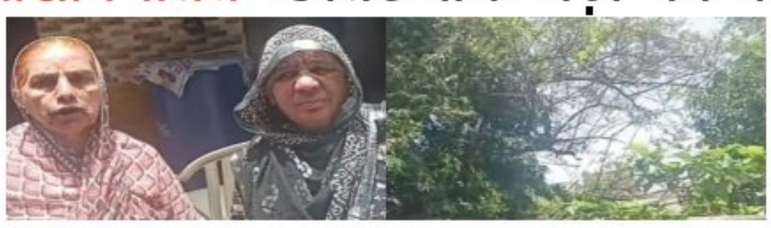

प्रबंधन समिति की लापरवाही: निवासियों का कहना है कि बार-बार आग्रह करने के बावजूद 'माउंट व्यू' की प्रबंध समिति ने इस ओर कोई कदम नहीं उठाया है।

नीतिगत बदलाव की आवश्यकता:

माहिम रेजिडेंट्स ग्रुप के सैयद गुलजार राणा ने जी/नॉर्थ वार्ड के प्रभाग समिति अध्यक्ष यशवंत किल्लेदार, मेयर ऋतु तावड़े और आयुक्त अश्विनी भिड़े से एक नई शहरव्यापी नीति लागू करने का आग्रह किया है।

मुफ्त छंटाई की मांग: राणा का सुझाव है कि आपातकालीन स्थिति में, BMC को निजी संपत्तियों पर मौजूद खतरनाक पेड़ों की छंटाई का कार्य निःशुल्क करने का अधिकार होना चाहिए।

सक्रिय कार्रवाई का आह्वान: उन्होंने जोर देकर कहा कि निजी परिसरों में पेड़ों के रखरखाव में लापरवाही आसपास के निवासियों और राहगीरों के लिए खतरा पैदा करती है। उन्होंने किसी भी दुर्घटना के होने से पहले ही प्रशासन से सक्रिय कार्रवाई करने की मांग की है।

मुंबई : श्रम कानूनों में व्यापक श्रमिक हितों को प्राथमिकता देने पर फडणवीस का जोर...

मुंबईः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को मंत्रालय में कहा कि राज्य में विभिन्न श्रम कानूनों में किए जा रहे संशोधनों के दौरान व्यापक 'श्रमिक हित' को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आज वर्षा निवास पर आयोजित श्रम कानून संशोधन प्रस्तुति बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने कहा कि केंद्र के नए श्रम कानूनों के अनुरूप राज्य के नियम तैयार करते समय यदि राज्यहित में आवश्यक हो, तो उपयुक्त संशोधन किए जाएं। बैठक में श्रम मंत्री एड. आकाश फुंडकर उपस्थित थे, जबकि श्रम राज्यमंत्री एड. आशीष जायसवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि कानून में प्रस्तावित प्रत्येक संशोधन का गहन परीक्षण किया जाए। श्रम न्यायालयों के स्थान पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) को अधिकार दिए जाने के प्रस्ताव के संदर्भ में उन्होंने निर्देश दिए कि श्रमिकों से संबंधित लंबित मामलों की जिला-वार रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पर इन मामलों के निपटारे का अनावश्यक दबाव न पड़े।

मुंबई : गरीब रथ में महिला की मौत, मेडिकल मदद को लेकर विवाद

मुंबई : बांद्रा टर्मिनस से दिल्ली सराय रोहिल्ला जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस में एक महिला यात्री की मौत का मामला सामने आया है। घटना 12 जुलाई की बताई जा रही है, जब ट्रेन संख्या 12216 में सफर के दौरान महिला यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजनों और सहयात्रियों ने आरोप लगाया है कि गंभीर हालत के बावजूद ट्रेन को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए नहीं रोका गया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। कई यात्रियों और सोशल मीडिया यूजर्स ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आपात स्थिति में रेलवे की ओर से तय मेडिकल प्रोटोकॉल का पालन किया गया था या नहीं। जानकारी के अनुसार, महिला यात्री ट्रेन में सफर कर रही थीं, तभी उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। सहयात्रियों और महिला के बेटे का दावा है कि उन्होंने ट्रेन को रोककर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, लेकिन उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया गया। परिजनों का आरोप है कि अगर समय रहते मेडिकल सहायता मिल जाती तो शायद महिला की जान बचाई जा सकती थी। इस घटना को लेकर यात्रियों ने रेलवे की आपातकालीन व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

हालांकि, पश्चिम रेलवे ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यात्री को यात्रा के दौरान हुई मेडिकल इमरजेंसी के लिए उन्हें दुख है। रेलवे ने बताया कि घटना के दौरान उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर मेडिकल सहायता उपलब्ध कराने की कोशिश की गई थी। पश्चिम रेलवे के अनुसार, 12 जुलाई को शाम 4 बजकर 22 मिनट पर वडोदरा के एक डॉक्टर से ट्रेन में मौजूद कर्मचारियों को चिकित्सा सहायता के लिए अनुरोध प्राप्त हुआ था। इसके बाद तुरंत संबंधित स्टेशन अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई।

रेलवे ने बताया कि इसके बाद शाम 4 बजकर 32 मिनट पर 108 एंबुलेंस के लिए अनुरोध प्राप्त हुआ। मामले को तुरंत संबंधित नियंत्रण अधिकारियों के साथ समन्वय कर आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, ट्रेन में किसी यात्री की तबीयत बिगड़ने की स्थिति में कर्मचारियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत नजदीकी स्टेशन पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। इस मामले में भी संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया था।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com

Scanned with OKEN Scanner